The Hawk
10-11-2022

Director General, ICFRE, Dehradun Inaugurated 2-Days Refresher Courseon 'Ecology & Biodiversity' For The Senior Executives Of CMPDI, Ranchi

Dehradun (The Hawk): A two days refresher course related to the Ecology and Biodiversity started at Indian Council of Forestry, Research & Education (ICFRE), Dehradun on 09.11.2022 for the senior executives of Central Mine Planning & Design Institute (CMPDI), Ranchi, a subsidiary organization of Coal India Limited. The refresher courseis being organized by the Environment Management Division, Directorate of Extension, ICFRE.

The event was inaugurated by Sh. Arun Singh Rawat, Director General, ICFRE, Dehradun. In his inaugural address, he emphasized on the importance of ecology and biodiversity in relation to mining activities.He also briefed about the strength of ICFRE and its institutes on the subject and services rendered to the Coal India Limited (CIL) and its subsidiary organizations w.r.t. management of ecology, biodiversity and coal mine environment as a whole. On the occasion, the Deputy Director General (Extn.), ICFRE spoke about the need of recent scientific methodologies for management of ecology and biodiversity in relation to the mining. He also stressed upon sustainable mining and proper eco-restoration of mined out areas with emphasis on soil and moisture conservation and enrichment of biodiversity in the mine affected areas.

The Deputy Director General (Admin.), Deputy Director General (Education), Deputy Director General (Research),Assistant Director Generals of ICFRE, Secretary, ICFRE and Scientists of ICFRE participated in the inaugural event along with senior executives from CMPDI. After the inaugural session, technical sessions covering various aspects of ecology and biodiversity with emphasis on coal mine environment were held. The scheduled technical sessions for the refresher course will also cover Integration of Biodiversity and Wildlife Conservation Plans, Recent advances in eco restoration of coal mining areas, Environmental Audit and Environmental Performance Index Rating of coal mine projects, Need and importance of Strategic EIA in coal mining sector, carbon stock estimation and carbon crediting and Use of Artificial Intelligence in Management of Coal Mine Environment. Eminent subject matter experts from ICFRE and its institutes, MoEF&CC, IIT (ISM), Dhanbad and CIMFR, Dhanbad will be delivering their lectures on the respective subject during the refresher course on 09-10 November, 2022. The inaugurated session was conducted by Dr. A. N. Singh, ADG (EM), Directorate of Extension, ICFRE and vote of thanks was extended by Dr.Vishavjit Kumar, Scientist - E, Environment Management Division, Directorate of Extension, ICFRE.

The Himachal Times
10-11-2022

2 day refresher course on Ecology and Biodiversity begins at ICFRE

Dehradun, Nov 9 (HTNS): A two day refresher course related to the Ecology and Biodiversity began at the Indian Council of Forestry, Research and Education (ICFRE), Dehradun on Wednesday for the senior executives of Central Mine Planning and Design Institute (CMPDI), Ranchi, a subsidiary organization of Coal India Limited.

The refresher course is being organized by the Environment Management Division, Directorate of Extension, ICFRE.

The event was inaugurated by Arun Singh Rawat, Director General, ICFRE, Dehradun. In his inaugural address, he laid thrust on the importance of ecology and biodiversity in relation to mining activities. He also briefed about the strength of ICFRE and its institutes on the subject and services rendered to the Coal India Limited (CIL) and its subsidiary organizations with respect to the management of ecology, biodiversity and coal mine environment as a whole. Deputy Director General (Extn) ICFRE spoke on the need of recent scientific methodologies for management of ecology and biodiversity in relation to mining. He also stressed upon sustainable mining and proper eco-restoration of mined out areas with emphasis on soil and moisture conservation and enrichment of biodiversity in the mine affected areas.

The Deputy Director General (Admin), Deputy Director General (Education), Deputy Director General (Research), Assistant Director Generals of ICFRE, Secretary, ICFRE and Scientists of ICFRE participated in the inaugural event along with senior executives from CMPDI. After the inaugural session, technical sessions covering various aspects of ecology and biodiversity with emphasis on the coal mine environment were also held. The scheduled technical sessions for the refresher course will also cover Integration of Biodiversity and Wildlife Conservation Plans, Recent advances in eco restoration of coal mining areas, Environmental Audit and Environmental Performance Index Rating of coal mine projects, Need and importance of Strategic EIA in coal mining sector, carbon stock estimation and carbon crediting and Use of Artificial Intelligence in Management of Coal Mine Environment. Eminent subject matter experts from ICFRE and its institutes, MoEF and CC, IIT (ISM), Dhanbad and CIMFR, Dhanbad delivered lectures during the refresher course on Wednesday.

The inaugurated session was conducted by Dr AN Singh, ADG (EM), Directorate of Extension, ICFRE. The vote of thanks was proposed by Dr Vishavjit Kumar, Scientist E, Environment Management Division, Directorate of Extension, ICFRE.

Janbharat Mail
10-11-2022

पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता से संबंधित रिफ्रेशर कोर्स शुरू

देहरादून, संवाददाता। सेंट्रल माईन प्लानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीट्यूट (सी एम पीडी आई), राँची, जोकोल इण्डिया लिमिटेड का एक सहायक संस्थानहै, के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी एव जैवविविधता से संबंधित 02 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून मे प्रारम्भ हुआ। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा किया जा रहा है।

रिफ्रेशर कोर्स का उद्घाटन श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्द्वाराकियागया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में पारिस्थिति की एवं जैव विविधता के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून और

इसके संस्थानो द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड (सी आई एल)औरइसकेसहायक संगठनों को पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता और समग्र रूप से कोयला खदान पर्यावरण के प्रबंधन में प्रदान की गई सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसरपरभा. वा. अ. शि. प. के उपमहानिदेशक (प्रशासन), उपमहानिदेशक (शिक्षा), उपमहानिदेशक (अनुसंधान), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के समस्त सहायक महानिदेशक, सचिव, भा. वा. अ. शि. प. व संस्थान के अनेक वैज्ञानिकोंने सी एम पीडीआई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

उद्घाटन सत्र के बाद, पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता के विभिन्न पहलुओ को शामिल करते हुए कोयला खदान पर्यावरण पर समग्र रूप से ध्यान देने की जरूरत के साथ विभिन्न तकनी की सत्र आयोजित किए जाएंगे।

तकनीकी सत्रो मे एकीकृत जैवविविधता और वन्य जीव संरक्षण योजना, कोयला खनन क्षेत्रों की पर्यावरण बहाली की जरूरत, उपाय एवं हालिया प्रगति, कोयला खान परियोजनाओं की पर्यावरण लेखा परीक्षा और पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक रेटिंग, कोयला खनन में रणनीतिक पर्यावरण प्रभाव आकलन की आवश्यकता और महत्व, कोयला खान क्षेत्र से कार्बन स्टॉक अनुमान और कार्बन क्रेडिटिंग की संभाव और कोयला खदान से संबंधित पर्यावर प्रबंधन हेतु आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस उपयोग जैसे विषय शामिल किए जाएंगे।

रिफ्रेशर कोर्स के दौरान भा. वा. अ. शि एवं इसके संस्थानों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन म लय, आईआईटी (आई एस एम), धनबा सी आई एम एफ आर, धनबाद के प्रस विषय विशेषज्ञों द्वारा संबंधित विषय पर ख्यान दिये जाएंगे। उद्घाटन सत्र का संचा डा0 ए0 एन0 सिंह, सहायक महानिदे (पर्यावरण प्रबंधन), विस्तार निदेशालय, वा. अ. शि. प. द्वारा किया गया और धन्य ज्ञापन डा0 विशवजीतकुमार, वैज्ञानिक पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, विस्तार निदेशा भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा प द्वारा दिया गया।

Shah Times
10-11-2022

आईसीएफआरई में पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता से संबंधित रिफ्रेशर कोर्स शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। सेंट्रल माईन पलानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीट्यूट राँची, जोकोल इण्डिया लिमिटेड का एक सहायक संस्थान है के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी एव जैवविविधता से संबंधित 2 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून में बुधवार से प्रारम्भ हुआ। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून की ओर से किया जारहा है।

रिफ्रेशर कोर्स का उद्घाटन महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद अरूण सिंह रावत ने किया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में पारिस्थिति की एवं जैव विविधता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस अवसर पर भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून और इसके संस्थानों की ओर से कोल इंडिया लिमिटेड (सी आई एल)और इसके सहायक संगठनों को पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता और समग्र रूप से कोयला खदान पर्यावरण के प्रबंधन में प्रदान की गई सेवाओं के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर, उपमहानिदेशक (विस्तार) ने खनन के संबंध में पारिस्थिकी और जैवविविधता के प्रबंधन के लिए सामयिक वैज्ञानिक तरीकों की आवश्यकता के बारे में बताया उन्होंने खनन प्रभावित खेत्रों में मिट्टी और नमी संरक्षण और जैवविविधता के संवर्धन पर जोर देते हुए खनन किए गए क्षेत्रों की उचित पर्यावरण बहाली पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर भावाअशिप के उपमहा. निदेशक (प्रशासन), उपमहानिदेशक (शिक्षा), उपमहानिदेशक (अनुसंधान), भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के समस्त सहायक महानिदेशक, सचिव, भावाअशिप व संस्थान के अनेक वैज्ञानिकों ने सी एम पीडीआई के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उद्घाटन समारोह में भाग लिया। उद्घाटन सत्र के बाद, पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए कोयला खदान पर्यावरण पर समग्र रूप से ध्यान देने की जरूरत के साथ विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

तकनीकी सत्रों में एकीकृत जैवविविधता और वन्य जीव संरक्षण योजना, कोयला खनन क्षेत्रों की पर्यावरण बहाली की जरूरत, उपाय एवं हालिया प्रगति, कोयला खान परियोजनाओं की पर्यावरण लेखा परीक्षा और पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक रेटिंग, कोयला खनन में रणनीतिक पर्यावरण प्रभाव आकलन की आवश्यकता और महत्व, कोयला खान क्षेत्र से कार्बन स्टॉक अनुमान और कार्बन क्रेडिटिंग की संभावनाएं और कोयला खदान से संबंधित पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का उपयोग जैसे विषय शामिल किए जाएंगे। रिफ्रेशर कोर्स के दौरान भावाअशिप. एवं इसके संस्थानों के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ ही पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय, आईआईटी (आई एस एम), धनबाद व सीआईएमएफआर, धनबाद के प्रख्यात विषय विशेषज्ञों की ओर से संबंधित विषय पर व्याख्यान दिये जाएंगे।

उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. एएन सिंह, सहायक महानिदेशक (पर्यावरण प्रबंधन), विस्तार निदेशालय, भावाअशिप की ओर से किया गया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विशवजीत कुमार, वैज्ञानिक-ई, पर्यावरण प्रबंधन प्रभाग, विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद की ओर से दिया गया।

The Pioneer
10-11-2022

Refresher course on ecology and biodiversity starts in CMPDI, Ranchi

PNS ■ DEHRADUN

The director general of the Indian Council of Forestry, Research and Education (ICFRE), Dehradun, Arun Singh Rawat inaugurated a two day refresher course on ecology and biodiversity on Wednesday for the senior executives of Central Mine Planning and Design Institute (CMPDI), Ranchi which is a subsidiary organization of Coal India Limited (CIL).

The course that started on Wednesday has been organised by the environment management division of ICFRE. Rawat talked about the importance of ecology and biodiversity in association to mining activities during his address in the inauguration. He also elaborated on the strength of ICFRE and its institutes on the subject and services rendered to CIL and its subsidiary organisations with respect to the management of ecology, biodiversity and coal mine environment. The Deputy Director General (Extension), ICFRE stressed on the need of recent scientific methodologies for management of ecology and biodiversity corresponding to the mining. He also emphasised upon sustainable mining and proper eco-restoration of mined out areas with stress on soil and moisture conservation and enrichment of biodiversity in the mine affected areas. Technical sessions covering various aspects of ecology and biodiversity with emphasis on the coal mine environment were also held after the inauguration for the refresher course.

Rashtriya Sahara
10-11-2022

रिफ्रेशर कोर्स शुरू

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून में सेंट्रल माइन पलानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी एवं जैवविविाता से संबंधित रिफ्रेशर कोर्स शुरू हुआ है। सेंट्रल माईन पलानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीट्यूट राँची, जोकोल इण्डिया लिमिटेड का एक सहायक संस्थान है के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए पारिस्थितिकी एवं जैवविविधता से संबंधित दो दिवसीय रिफ्रेशर कोस र्भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून में प्रारम्भ हुआ। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन पयार्वरण प्रबंधन प्रभाग, विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा किया जा रहा है। रिफ्रेशर कोस र्का उद्घाटन अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा किया गया।